दैनिक भारत कि
तामीर
संपादक - काझी मकदूम शफीउद्दीन hinditameer@gmail.com
Editor in chief- Qazi makhdoom shafiuddin

सांसद बजरंग सोनवणे ने जन्मदिन न मनाने का लिया निर्णय, बच्चों के स्वास्थ्य परीक्षण की अपील

बीड - मस्साजोग के सरपंच कै. संतोष अण्णा देशमुख के दुर्भाग्यपूर्ण और दुखद निधन, बीड जिले में लगातार हो रही किसानों की आत्महत्याएं, और सक दुर्घटनाओं में युवाओं की मौत को ध्यान में रखते हुए, सांसद बजरंग सोनवणे ने इस वर्ष अपना जन्मदिन न मनाने का निर्णय लिया है।

इसलिए इस बार उनके जन्मदिवस के अवसर पर स्वागत में हार-तौफे और पुष्पगुच्छ से परहेज़ किया जाएगा। इसके बजाय रक्तदान शिविर, कृत्रिम अंगदान शिविर जैसे सामाजिक उपक्रमों के साथ-साथ राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत जिले में ० से १८ वर्ष की आयु के बच्चों के स्वास्थ्य परीक्षण का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने अपील की है कि इन सभी समाजोपयोगी उपक्रमों में अधिक से अधिक सहभागिता हो और सभी मिलकर प्रयास करें। सांसद सोनवणे ने यह भी कहा कि यदि लोग सोशल मीडिया के माध्यम से शुभकामनाएं देंगे तो उन्हें खुशी होगी।

बीड (महाराष्ट्र) वर्ष-१ ला अंक-३३३ वा रविवार ६ जुलै २०२५ RNI TITLE CODE:MAHHIN11405/120/1/3/2024 किमत : २ रूपये पन्ने - ४

हम एकसाथ आए हैं, साथ रहने के लिए-उद्धव ठाकरे

मराठी और महाराष्ट्र के हित के लिए एकजुटता बनी रहे-राज ठाकरे

रिपोर्ट: जमीर काज़ी, मुंबई

शनिवार को मुंबई के वरली स्थित डोम मैदान में महाराष्ट्र की राजनीति को नया मोड़ देने वाला एक ऐतिहासिक घटनाक्रम सामने आया, जहां मराठी भाषा के मुद्दे पर पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे और मनसे प्रमुख राज ठाकरे लगभग दो दशकों के बाद एक मंच पर एकसाथ नजर आए। उद्धव ठाकरे ने इस मंच से कहा, हमारे बीच की दूरी अनाजी पंत ने मिटा दी है, हम एकसाथ आए हैं, साथ रहने के लिए। वहीं राज ठाकरे ने साफ कहा, मराठी और महाराष्ट्र के हित के लिए यह एकता कायम रहनी चाहिए। दोनों नेताओं ने संकेत दिए कि आने वाले समय में वे मिलकर राज्य की राजनीति में सक्रिय भूमिका निभाएंगे।

वरली में ऐतिहासिक विजय मेळावे में ठाकरे बंधुओं की हुंकार । भाजपा, फडणवीस, शिंदे और प्रधानमंत्री पर तीखा हमला

भाजपा और शिंदे पर सीधा हमला

इस मौके पर उद्धव ठाकरे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह, मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे पर तीखा प्रहार करते हुए कहा, मराठी और महाराष्ट्र के हितों के विरोध में काम करने वालों को हम बाहर फेंक देंगे। उन्होंने कहा कि भाजपा बांटो और राज करो' की नीति से चुनाव जीतती है। भाजपा राजनीतिक व्यापारी हैं, जो इस्तेमाल कर के फेंक देते हैं।

उद्धव ने चेतावनी दी कि किसी पर अन्याय न करो, लेकिन अगर कोई तुम पर हाथ उठाए, तो वह हाथ जगह पर मत छोड़ो। उन्होंने कहा कि मराठी भाषा की आड़ में दादागिरी नहीं करेंगे, लेकिन सहन भी नहीं करेंगे।

मेळावे में जनसैलाब

इस अभूतपूर्व विजय मेळावे में राज्यभर से हजारों कार्यकर्ता जमा हुए थे। सभागृह पूरी तरह से खचाखच भरा था, जबकि सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने बाहर खड़े होकर भाषण सुने। पहले प्रस्तावित हिंदी विरोधी मोर्चा रद्द कर यह मेळावा आयोजित किया गया। सोशल मीडिया पर व्यापक प्रचार के चलते सबकी निगाहें इस पर टिकी थीं।

दोपहर ११:४५ बजे दोनों ठाकरे बंधु एकसाथ मंच पर पहुंचे। एक-दूसरे को गले लगाकर अभिवादन किया, जिसे दर्शकों ने जोरदार तालियों से सराहा। पहले राज ठाकरे ने भाषण दिया, और अंत में उद्धव ठाकरे ने समापन भाषण किया।

उद्धव ठाकरे का संदेश: एकजुटता ही ताकत

उद्धव ठाकरे ने कहा, हम दो भाइयों का एकसाथ आना भाषण से भी अधिक महत्वपूर्ण है। भाजपा लोगों को बांटकर चुनाव जीतती है। अब महाराष्ट्र की जनता को एकजुट होना होगा। उन्होंने कहा, आज से हमारी एकजुटता की शुरुआत हो चुकी है। हम न तो दादागिरी करेंगे, और न किसी की सहन करेंगे।

उद्धव ने चेतावनी दी, हमारे एकसाथ आने से कई लोगों को पेट में दर्द हुआ होगा। अब तंत्र-मंत्र, बकरे की बलि और जादू-टोना किया जाएगा, लेकिन मराठी जनता को इनसे सावधान रहना होगा।

उन्होंने सभी मराठी प्रेमियों से अपील की, मतभेद भुलाकर मराठी की ठोस एकजुटता बनाएं। मराठी का अपमान करने वालों को जवाब देने के लिए सब एक हों, चाहे वे किसी भी पार्टी के हों।

राज ठाकरे का कटाक्ष: जो बाळासाहेब नहीं कर सके, वह फडणवीस ने कर दिखाया

राज ठाकरे ने अपने भाषण की शुरुआत सम्माननीय उद्धव ठाकरे और समस्त मराठी भाइयों के संबोधन से की। उन्होंने कहा, आज मोर्चा निकलना था, पर सरकार ने पीछे हटकर विजय का संदेश दिया।

राज ने व्यंग्य करते हुए कहा, हमें एकसाथ लाना बाळासाहेब ठाकरे नहीं कर सके, यह काम देवेंद्र फडणवीस ने कर दिखाया। इस पर सभा में ठहाके गूंज उठे।

हिंदी भाषा पर तीखा सवाल

राज ठाकरे ने केंद्र सरकार की त्रिभाषा नीति पर सवाल उठाते हुए कहा, १२५ वर्षों तक मराठों ने हिंदी राज्यों पर शासन किया, फिर भी मराठी नहीं थोपी। हिंदी सिर्फ २०० वर्ष पुरानी भाषा है, हमारे महाराजों के समय भी नहीं थी। उन्होंने चेतावनी दी, अगर किसी ने महाराष्ट्र को बांटने की कोशिश की, तो उसका करारा जवाब मिलेगा।

फडणवीस और शिंदे पर वार

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस द्वारा मराठी गुंडागर्दी की बात पर उद्धव ने जवाब दिया, कौन-सा मराठी व्यक्ति किसी अन्य राज्य में जाकर गुंडागर्दी करता है? उन्होंने शिंदे पर निशाना साधते हुए कहा, कल एक गद्दार ने जय गुजरात के नारे लगाए। जो अपने मालिक के पैरों में बैठता है, वह मराठी विचारधारा का प्रतिनिधि नहीं हो सकता।

ठाकरे परिवारों का मनोमिलन

इस मेळावे में केवल उद्धव और राज ठाकरे ही नहीं, बल्कि उनके परिवार भी मंच पर एकत्र हुए। रश्मी ठाकरे, आदित्य ठाकरे, तेजस ठाकरे, शर्मिला ठाकरे, अमित ठाकरे और उनकी बेटी ने मंच पर मुलाकात की और फोटोसेशन भी किया।

अन्य दलों के नेता भी हुए शामिल

मंच पर भले ही केवल ठाकरे बंधु थे, लेकिन महाविकास आघाड़ी के कई नेता भी उपस्थित थे। इनमें सुप्रिया सुले, जितेंद्र आव्हाड, जयंत पाटील, मुणगेकर, प्रकाश रेड्डी, अजित नवले, दीपक पवार, विनोद निकोले और महादेव जानकर शामिल थे। राज ठाकरे ने सभी का मंच पर आभार व्यक्त किया।

कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष और अन्य वरिष्ठ नेता दिल्ली में बैठक के चलते अनुपस्थित थे, इसकी जानकारी संजय राऊत ने दी।

मराठवाड़ा में वक्फ बोर्ड के किराएदारों को मिलेगा घरकुल का लाभ, समीर काजी की सकारात्मक पहल

बीड (काजी अमान)

अल्पसंख्याक समुदाय के विकास के प्रति समर्पित महाराष्ट्र राज्य वक्फ बोर्ड के युवा और ऊर्जावान अध्यक्ष, राज्यमंत्री पद का दर्जा प्राप्त ना. समीर काजी की सकारात्मक भूमिका के कारण मराठवाड़ा में वक्फ बोर्ड के किराएदारों को सरकार की घरकुल योजना का लाभ मिलने वाला है। घरकुल निर्माण के लिए आवश्यक ना-हरकत प्रमाणपत्र (छजउ) देने के लिए कानूनी पहलुओं की जांच कर इसका समाधान निकालने में वक्फ बोर्ड हरसंभव सहयोग करेगा। यह आश्वासन वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष ना. समीर काजी ने दिया है।इस संबंध में जानकारी देते हुए वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष ना. समीर काजी ने बताया कि मराठवाड़ा के विभिन्न जिलों में वक्फ संपत्तियों पर रहने वाले तत्कालीन किराएदारों और अतिक्रमणधारियों के अतिक्रमण को नियमित करने तथा उन्हें इन जमीनों पर नए घरकुल निर्माण के लिए ना-हरकत प्रमाणपत्र देने का मुद्दा लंबित है। हालांकि, २०१४ के लीज नियमों के अनुसार कानूनी प्रावधानों के तहत न केवल एक तालुका या जिला, बल्कि पूरे मराठवाड़ा के रहवासियों का यह मुद्दा जल्द से जल्द हल करने का प्रयास किया जाएगा। महानगरपालिका और नगरपालिका द्वारा इस संबंध में दिए गए प्रस्तावों पर वक्फ बोर्ड सकारात्मक विचार करेगा। ना. समीर काजी के इस आश्वासन से मराठवाड़ा में वक्फ बोर्ड की जमीनों पर रहने वाले किराएदारों को सरकार की घरकुल योजना का लाभ मिलने का रास्ता आसान होने वाला है।पिछले कई वर्षों से अल्पसंख्याक मुस्लिम समुदाय के कई रहवासी वक्फ संपत्तियों पर किराएदार के रूप में रह रहे हैं और वर्षों से इन जमीनों पर उनका वास्तव्य है। उनके पास इस वास्तव्य के प्रमाण भी मौजूद हैं। वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष ना. समीर काजी के सहयोग से यह मुद्दा जल्द से जल्द हल किया जाएगा। साथ ही, राज्य के अल्पसंख्याक विभाग के पास इस मामले का अनुसरण कर वक्फ बोर्ड के किराएदारों को घरकुल योजना का लाभ दिलाने के लिए कानूनी रास्ता निकाला जाएगा।चौकट

समीर काजी की सकारात्मक भूमिका का समाज ने किया स्वागतमराठवाड़ा में वक्फ बोर्ड की जमीनों पर रहने वाले किराएदारों को सरकार की घरकुल योजना का लाभ दिलाने के लिए महाराष्ट्र राज्य वक्फ बोर्ड के कर्तव्यनिष्ठ, कार्यक्षम और ऊर्जावान अध्यक्ष ना. समीर काजी ने सकारात्मक भूमिका अपनाई है। इस पहल का अल्पसंख्याक मुस्लिम समुदाय ने हार्दिक स्वागत किया है।

उर्दू दैनिक तामीर के २५ वे साल में क़दम रखने पर एक और पेशकश

उमाकिरण शैक्षणिक संकुल में हुई घटना को लेकर डॉ.ज्योति मेटे ने रुपाली चाकणकर से की मुलाकात

महिलाओं के लैंगिक उत्पीड़न की घटनाओं में कानून के तहत हो कार्रवाई-डॉ.ज्योति मेटे

बीड (प्रतिनिधि): बीड जिले के दौरे पर आईं महाराष्ट्र राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष रूपाली चाकणकर से शिवसंग्राम संगठन की अध्यक्ष डॉ. ज्योति मेटे ने शासकीय विश्रामगृह में मुलाकात की। इस अवसर पर डॉ. मेटे ने बीड स्थित उमाकिरण शैक्षणिक संकुल में घटी घृणित घटना को लेकर पुलिस प्रशासन से निष्पक्ष जांच कराकर दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की और आयोग से विशेष रूप से इस मामले पर ध्यान देने की अपील की।

डॉ. मेटे ने कहा कि भारत के माननीय सर्वोच्च न्यायालय द्वारा निर्धारित दिशा-निर्देशों के अनुसार महिलाओं के कार्यस्थलों पर लैंगिक उत्पीड़न से संरक्षण हेतु अधिनियम (प्रतिबंध, रोकथाम और निवारण) तथा २०१३ के नियमों के तहत १९ जून २०१४ के शासन निर्णयानुसार सभी संस्थानों में महिला शिकायत निवारण समिति का गठन अनिवार्य किया गया है।

इस शासन निर्णय की धारा ५ के अनुसार शैक्षणिक संस्थानों में भी यदि १० या उससे अधिक कर्मचारी कार्यरत हों तो वहां ऐसी समिति बनाना आवश्यक है। डॉ. मेटे ने सवाल उठाया कि उमाकिरण शैक्षणिक संकुल में यदि १० या उससे अधिक कर्मचारी हैं, तो क्या वहां ऐसी समिति गठित की गई थी? अगर नहीं, तो संबंधित संस्थापक या नियोक्ता पर अधिनियम के अंतर्गत कार्रवाई की जानी चाहिए। और अगर समिति गठित थी, तो उसने अपनी जिम्मेदारियां कितनी ईमानदारी से निभाई - इसकी समीक्षा की जानी चाहिए।

पीड़िता के मीडिया में आए बयानों को देखते हुए स्पष्ट है कि यदि समिति सक्रिय होती, तो यह घटना रोकी जा सकती थी।

डॉ. मेटे ने यह भी कहा कि पिछले कुछ वर्षों में महाराष्ट्र में कई स्थानों पर प्राइवेट कोचिंग क्लासेस संचालित हो रहे हैं, ऐसे में राज्य महिला आयोग को चाहिए कि इन सभी जगहों पर इस अधिनियम के अनुसार समितियों के गठन की निगरानी करे और यह भी सुनिश्चित करे कि वे समितियां अपनी जिम्मेदारी कैसे निभा रही हैं। इससे भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं को रोका जा सकेगा।

इस अवसर पर उनके साथ साक्षी हंगे, गीतांजलि डोरले, संगीता ठोसर, साधना दातखिळ, संध्या लांगोरे, प्रणिता लांगोरे, मनोज जाधव, हरिश्चंद्र ठोसर, प्रशांत डोरले, अतुल लांगोरे सहित शिवसंग्राम की महिला पदाधिकारी और कार्यकर्ता भी उपस्थित थीं।

न्याय के क्षेत्र में काम करते समय हर नए विषय का ईमानदारी से अध्ययन जरूरी:मुख्य न्यायाधीश भूषण गवई

मुंबई उच्च न्यायालय की ओर से सम्मान समारोह

रिपोर्ट: ज़मीर काज़ी । मुंबई

हर व्यक्ति को अपने क्षेत्र में पूरी निष्ठा और विवेक के साथ कार्य करते हुए समय-समय पर सामने आने वाले नए विषयों का विद्यार्थी के रूप में ईमानदारी से अध्ययन करना चाहिए, ऐसा विचार भारत के मुख्य न्यायाधीश भूषण गवई ने शनिवार को व्यक्त किया।

मुख्य न्यायाधीश गवई का सम्मान समारोह होटल ताज महल पैलेस, मुंबई में मुंबई उच्च न्यायालय की ओर से आयोजित किया गया था। इस अवसर पर मुंबई उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायमूर्ति आलोक आराधे, न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता, न्यायमूर्ति प्रसन्न वराले, न्यायमूर्ति उज्ज्वल भुयान, न्यायमूर्ति अतुल चांदूरकर और तेजस्विनी गवई उपस्थित रहीं।

मुख्य न्यायाधीश भूषण गवई ने कहा कि, अपने कार्यस्थल पर काम करते समय हर किसी को अपने कार्य में परिश्रम, ईमानदारी और विवेक का उपयोग करना आवश्यक है। नई पीढ़ी के सहकर्मियों को सकारात्मक दृष्टिकोण से प्रेरित करना और उनके भीतर मौजूद क्षमताओं को निखारना वरिष्ठों की जिम्मेदारी होती है। इसके साथ ही, कार्य और व्यक्तिगत जीवन के बीच संतुलन बनाना भी ज़रूरी है।

उन्होंने यह भी विश्वास जताया कि, मुंबई उच्च न्यायालय द्वारा हाल ही में प्रदान की गई आधुनिक सुविधाएं निश्चित रूप से नागरिकों के लिए उपयोगी सिद्ध होंगी।

इस समारोह में न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता, न्यायमूर्ति प्रसन्न वराले, न्यायमूर्ति उज्ज्वल भुयान और न्यायमूर्ति अतुल चांदूरकर ने मुख्य न्यायाधीश गवई के न्यायिक जीवन की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला और उन्हें सम्मानित किया। इस अवसर पर मुंबई उच्च न्यायालय की लाइव स्ट्रीमिंग प्रणाली तथा वाई-फाई सेवा का उद्घाटन भी किया गया।

बीड नगर परिषद के वसूली विभाग में आने-जाने वाले बुजुर्गों की जान को खतरा!

वसूली विभाग को तीसरी मंज़िल से नीचे शिफ्ट करने की माँग

बीड (प्रतिनिधि) - बीड नगर परिषद की विशाल इमारत की तीसरी मंज़िल पर स्थित वसूली विभाग में आने-जाने वाले बुज़ुर्गों की जान को खतरे में बताते हुए, इस विभाग को निचली मंज़िल पर स्थानांतरित करने की माँग वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता एवं उद्योजक रमेशराव गंगाधरे और मुक्तपत्रकार एस.एम. युसूफ़ ने मुख्याधिकारी को सौंपे गए एक ज्ञापन के माध्यम से की है।

ज्ञापन में कहा गया है कि बीड नगर परिषद की ऊँची इमारत की तीसरी मंज़िल पर वसूली विभाग स्थित है। शहर में रहने वाले नागरिकों को हाउस टैक्स, पानी टैक्स और अन्य करों के भुगतान हेतु इस विभाग में आना पड़ता है। यह कार्य अधिकतर घर में रहने वाले वरिष्ठ नागरिकों के जिम्मे होता है। कर भुगतान के लिए नगर परिषद में आने वाले वरिष्ठ नागरिकों की उम्र सामान्यतः ६० से ६५ वर्ष से ऊपर होती है। इस उम्र में अधिकतर लोगों की हड्डियाँ कमजोर हो जाती हैं, घुटनों में दर्द होता है और कई लोगों को हृदय रोग, रक्तचाप और मधुमेह जैसी बीमारियाँ भी होती हैं।

ऐसे नागरिकों को तीसरी मंज़िल तक पैदल सीढ़ियाँ चढ़ना-उतरना भारी पड़ रहा है। कई बार कुछ बुज़ुर्ग तो बैठ-बैठ कर ही सीढ़ियाँ चढ़ते-उतरते नज़र आते हैं। कुल मिलाकर देखा जाए तो तीसरी मंज़िल पर वसूली विभाग होने की वजह से वरिष्ठ नागरिकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है। साँस फूलना, थकावट और दम घुटने जैसी स्थिति भी कई बार देखने को मिल रही है। कभी-कभी सांस लेने में कमी आने से किसी बुज़ुर्ग की जान जाने का भी खतरा हो सकता है।

इसलिए वसूली विभाग को नगरसेवकों के लिए बनाए गए पहली मंज़िल पर स्थित हॉल में स्थानांतरित किया जाए। यह हॉल वर्ष भर में कभी-कभार ही उपयोग में आता है और गिने-चुने नगरसेवक ही इसमें आते हैं, जबकि वसूली विभाग में बीड शहर के हज़ारों नागरिक रोज़ाना आते-जाते हैं। इस बात को ध्यान में रखते हुए ज्ञापन में अपील की गई है कि तीसरी मंज़िल पर स्थित वसूली विभाग को नगरसेवकों के लिए आरक्षित पहली मंज़िल के बड़े और सुविधाजनक हॉल में शिफ्ट किया जाए।

आ.क्षीरसागर की पहल से ३७८ निराश्रितों को मिली योजना की मंजूरी

बीड़, ५ जुलाई (प्रतिनिधि):

बीड़ शहर व ग्रामीण क्षेत्र के ३७८ निराश्रित और दुर्बल नागरिकों को संजय गांधी निराश्रित अनुदान योजना तथा श्रावण बाळ सेवा निवृत्ति वेतन योजना के अंतर्गत सहायता प्रदान की जाएगी। इन प्रस्तावों को विधायक संदीप क्षीरसागर के विशेष प्रयासों और पहल से मंजूरी मिली है।

पात्र वृद्ध, अपंग (विकलांग), विधवा, परित्यक्ता और गंभीर बीमारियों से पीड़ित नागरिकों को राज्य सरकार द्वारा इन योजनाओं के अंतर्गत आर्थिक सहायता दी जाती है। बीड़ विधानसभा क्षेत्र के नागरिकों को शीघ्र लाभ देने के उद्देश्य से विधायक क्षीरसागर ने प्रशासन को निर्देश दिए थे कि योग्य नागरिकों के प्रस्तावों पर तुरंत कार्यवाही की जाए।

प्रशासन द्वारा की गई समीक्षा के अनुसार, दिनांक २९ मई २०२५ को आयोजित बैठक में संजय गांधी निराश्रित अनुदान योजना के अंतर्गत शहरी क्षेत्र के ४५ और ग्रामीण क्षेत्र के ६२ प्रस्तावों को मंजूरी दी गई।

इसके अलावा श्रावण बाळ सेवा निवृत्ति वेतन योजना के अंतर्गत शहरी क्षेत्र के ४६ और ग्रामीण क्षेत्र के २२५ नागरिकों के प्रस्तावों को भी मंजूरी दी गई है। इस दौरान कुछ आवेदनों में त्रुटियाँ पाई गई हैं। इन त्रुटियों को दूर करने हेतु संबंधित आवेदकों को तहसील कार्यालय से संपर्क करने की अपील विधायक संदीप क्षीरसागर ने की है।

शिपाई की भर्ती की जाए... मानसून सत्र में इद्रीस नायकवडी की मांग

रिपोर्ट: संवाददाता

मुंबई: यहां विधान परिषद का मानसून सत्र जारी है। इस दौरान विधायक इद्रीस भाई नायकवडी ने सरकार का ध्यान आकर्षित करते हुए सुझाव दिया कि शैक्षणिक संस्थाओं में शिपाई (चपरासी) की भर्ती की जाए।

उन्होंने कहा कि ग्रामीण और आदिवासी क्षेत्रों की स्कूलों में शिपाई के कई पद रिक्त हैं, जिससे व्यवस्थापन पर अतिरिक्त बोझ बढ़ रहा है। इस समस्या की ओर ध्यान दिलाते हुए उन्होंने मांग की कि शिपाई भर्ती की एकसमान, पारदर्शी और तीव्र प्रक्रिया अपनाई जाए।

इद्रीस नायकवडी ने यह भी स्पष्ट रूप से कहा कि विशेष रूप से अनुदानित स्कूलों में कार्यरत कर्मचारियों की अस्थिरता शैक्षणिक गुणवत्ता में कमी का कारण बन रही है। उन्होंने सरकार से आग्रह किया कि नए शैक्षणिक नीति के तहत संस्थाओं की मांग के अनुसार भर्ती प्रक्रिया को तत्काल मंजूरी दी जाए।

शैक्षणिक क्षेत्र में गुणवत्ता को बढ़ाने के लिए आवश्यक मूलभूत सुविधाएं और मानव संसाधन उपलब्ध कराना जरूरी है। इस दिशा में नायकवडी साहब का यह दृष्टिकोण अत्यंत महत्वपूर्ण और दूरदर्शी साबित हुआ है।

भगरी खाने से पहले बरतें सावधानी; जिला प्रशासन की नागरिकों से अपील

बीड़, ५ जुलाई (सू.का.) - श्रावण मास, एकादशी, महाशिवरात्रि, नवरात्र, आषाढ़ी एकादशी जैसे उपवास के अवसरों पर भगरी (सामा, वरई) का सेवन बड़ी संख्या में किया जाता है। भगरी पचने में हल्की और उपयोगी मानी जाती है, लेकिन हाल ही में कुछ स्थानों पर भगरी खाने के बाद फूड पॉयज़निंग (विषबाधा) की घटनाएं सामने आई हैं। ऐसे में बीड़ जिले के निवासी उपजिलाधिकारी तथा जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के मुख्य कार्यकारी अधिकारी शिवकुमार स्वामी ने नागरिकों से अपील की है कि भगरी का सेवन करते समय विशेष सावधानी बरतें।

निम्नलिखित बातों का रखें ध्यान:

भगरी हमेशा लाइसेंस प्राप्त और विश्वसनीय विक्रेता से ही खरीदें।

भगरी स्वच्छ, सूखी, बिना दुर्गंध और बिना फफूंदी लगी होनी चाहिए।

खराब, काली या फफूंदी लगी भगरी बिल्कुल न खरीदें।

बाजार में सस्ती और पॉलिश की हुई, प्लास्टिक जैसी चमक वाली भगरी से दूर रहें।

एफएसएसएआई प्रमाणित भगरी को प्राथमिकता दें।

पकाने से पहले भगरी को कम से कम २-३ बार साफ पानी से धोएं, और यदि संभव हो तो ३० मिनट तक भिगोकर रखें।

खाना पकाते समय स्वच्छ, उबला हुआ पानी और साफ बर्तन इस्तेमाल करें।

भगरी को उचित तापमान पर पूरी तरह से पकने तक उबालें। भंडारण में रखें सावधानी: पकी हुई भगरी को खुले में या कमरे के तापमान पर ज्यादा देर तक न रखें।

खाना ढककर रखें, और यदि संभव हो तो फ्रिज में सुरक्षित रखें। बचे हुए भोजन को दोबारा अच्छे से उबालकर ही खाएं। ठंडी हुई भगरी को बिना गर्म किए न खाएं।

यदि भगरी खाने के बाद हो ये लक्षण:

उल्टी, मिचली, पेट दर्द, सिरदर्द, थकावट, बुखार, चक्कर, सांस लेने में तकलीफ - तो तुरंत नजदीकी अस्पताल या प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में संपर्क करें।

देरी करना जानलेवा हो सकता है।

स्वामी ने यह भी कहा कि खाना बनाते समय व्यक्तिगत स्वच्छता का विशेष ध्यान रखें। घरेलू भगरी की जगह औद्योगिक रूप से निर्मित, सुरक्षित भगरी का ही सेवन करें। यदि किसी भगरी में रासायनिक प्रिजर्वेटिव हो तो उसका सेवन करने से बचें।

स्वास्थ्य के साथ कोई समझौता न करें। यदि सावधानी बरती जाए, तो विषबाधा से बचा जा सकता है। जिला प्रशासन द्वारा जारी इन हिदायतों को नागरिक गंभीरता से लें और आवश्यक सावधानी बरतें।

बेग अमीर बी को मिली पीएच.डी डॉक्टरेट

मालापुरी गांव के लिए बनीं प्रेरणास्रोत!

मालापुरी / प्रतिनिधि

यहां के सेवानिवृत्त इमाम मिर्ज़ा अब्दुल अज़ीज़ बेग की पुत्री बेग अमीर बी ने माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षकों में मानवाधिकार मूल्यों के विकास का अध्ययन इस विषय पर पीएच.डी. डॉक्टरेट प्राप्त की है। मालापुरी गांव से पीएच.डी. प्राप्त करने वाली वे पहली महिला हैं, जिससे वे पूरे गांव के लिए एक प्रेरणास्रोत बन गई हैं।

दरअसल, मूलतः मालापुरी निवासी और कतर देश की एक मस्जिद के सेवानिवृत्त इमाम व इस्लामी विद्वान मिर्ज़ा अब्दुल अज़ीज़ बेग की पुत्री बेग अमीर बी को शिक्षा संकाय (Faculty of Education) से माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षकों में मानवाधिकार मूल्यों के विकास का अध्ययन इस विषय पर २७ जून २०२५ को पीएच.डी. की उपाधि प्रदान की गई है।

इस शोधकार्य में छत्रपति संभाजीनगर (औरंगाबाद) स्थित डीएसआर कॉलेज ऑफ एजुकेशन के प्राचार्य डॉ. एजाज अली का मार्गदर्शन अत्यंत महत्वपूर्ण रहा। बेग अमीर बी द्वारा प्राप्त यह पीएच.डी. उपाधि मालापुरी गांव के लिए ऐतिहासिक उपलब्धि मानी जा रही है, और गांव से पीएच.डी. हासिल करने वाली वे पहली महिला बन गई हैं। इस अवसर पर उनके पिता मिर्ज़ा अब्दुल अज़ीज़ बेग ने बेटी की इस उपलब्धि पर अत्यंत प्रसन्नता व्यक्त की है, और गांववासियों व परिजनों ने भी बेग अमीर बी को शुभकामनाएं और बधाइयां दी हैं।

भाजपा विरोधी ठाकरे बंधुओं के रुख का कांग्रेस ने किया स्वागत!

ज़मीर काज़ी । मुंबई

भाजपा की महाराष्ट्र विरोधी और मराठी विरोधी नीतियों के खिलाफ ठाकरे बंधुओं द्वारा लिए गए रुख का कांग्रेस पार्टी ने स्वागत किया है। कांग्रेस ने स्पष्ट किया है कि वह 'माय मराठी' की अस्मिता और सम्मान के लिए चल रही इस लड़ाई में सक्रिय रूप से शामिल है।

हालांकि, शनिवार को वरली डोम में उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे द्वारा आयोजित ऐतिहासिक विजयी मेळावे (रैली) में कांग्रेस के पूर्व सांसद डॉ. भालचंद्र मुणगेकर को छोड़कर कोई भी बड़ा नेता उपस्थित नहीं था। इस वजह से यह संदेह जताया जा रहा था कि ठाकरे बंधुओं के एकजुट रुख को महाविकास आघाड़ी के प्रमुख घटक दल कांग्रेस का समर्थन प्राप्त है या नहीं।

लेकिन अब इस संबंध में मुंबई कांग्रेस की अध्यक्ष, सांसद वर्षा गायकवाड़ ने 'एक्स' (पूर्व में ट्विटर) पर एक पोस्ट करके ठाकरे बंधुओं को समर्थन देने की बात स्पष्ट की है। ठाकरे बंधुओं के रुख का समर्थन करते हुए उन्होंने लिखा है कि महाराष्ट्र में शुरू से ही हिंदी थोपे जाने का विरोध होता आया है। लेकिन भाजपा जानबूझकर हिंदी थोपने की कोशिश कर रही थी। जनता के दबाव के कारण उन्हें वह सरकारी आदेश (जीआर) रद्द करना पड़ा।

हिंदी, उर्दू, तेलुगू, कन्नड़ जैसी भाषाएं महाराष्ट्र में सिखाई जाती हैं, लेकिन उन्हें किसी पर थोपा नहीं जाता।

उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने 'जय गुजरात' का नारा देकर अपनी चापलूसी और महाराष्ट्र का अपमान किया है। वहीं आज उनके ही पार्टी के विधायक संजय गायकवाड़ ने छत्रपति संभाजी महाराज और मराठी भाषा का अपमान किया है।

शिंदे सेना और एकनाथ शिंदे को इसके लिए माफी मांगनी चाहिए - ऐसा भी वर्षा गायकवाड़ ने अपनी पोस्ट में कहा है।

दैनिक भारत की तामीर अखबार के मालिक, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक काजी मखदूम शफीउद्दीन ने आरएम प्रिंटरर्स, बार्शी रोड, बीड 431122 महाराष्ट्र में मुद्रित कर के दैनिक तामीर, नगर परिषद परिसर, बशीर गंज, बीड, महाराष्ट्र कार्यालय से प्रकाशित किया है। मोबाइल : 9270574444 ईमेल : hinditameer@gmail.com वेबसाइट : www.dailytameer.com

daily Bharat ki tameer newspaper owner printer publisher editor Quazi makhdoom shafiuddin has printed at RM printers barshi road beed 431122 Maharashtra at published at office daily tameer nagar parishad complex Bashir gunj beed Maharashtra. Mobile : 9270574444 Email : hinditameer@gmail.com Website : www.dailytameer.com